अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 06 | श्री विजय पुरम, मंगलवार , 06 जनवरी 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

सहकार से पोषण सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री एनडीडीबी फाउंडेशन फॉर न्यूट्रिशन के सीएसआर कॉन्क्लेव का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली, 05 जनवरी। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के दूरदर्शी विजन और माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के सशक्त नेतृत्व में सहकारिता आंदोलन को जनकल्याण और सामाजिक विकास से जोड़ने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल के तहत, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह 6 जनवरी 2026 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में एनडीडीबी फाउंडेशन फॉर न्यूट्रिशन द्वारा आयोजित सीएसआर कॉन्क्लेव – "पोषण सुरक्षा एवं कुपोषण उन्मूलन में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व की भूमिका" का उद्घाटन करेंगे।

इस अवसर पर माननीय केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह (मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायती राज), माननीय केंद्रीय मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी (महिला एवं बाल विकास), माननीय राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर (सहकारिता), माननीय राज्य मंत्री श्री मुरलीधर मोहोल (सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन), माननीय राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल (मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायती राज), माननीय राज्य मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन (मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा अल्पसंख्यक कार्य), डॉ. आशीष कुमार भूटानी, सचिव, सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, श्री नरेश पाल गंगवार, सचिव, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, भारत सरकार, श्री अनिल मलिक, सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार, डॉ. मीनेश शाह, अध्यक्ष, एनडीडीबी तथा अन्य विशिष्ट अतिथि भी कार्यक्रम में शामिल होंगे।

शेष पृष्ठ 4 पर

तटरक्षक बल को मिला अब तक का सबसे बड़ा स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप'

नई दिल्ली, 05 जनवरी। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को भारतीय तटरक्षक बल के बेड़े में देश का सबसे बड़ा स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' शामिल किया।

यह पोत विशेष रूप से समुद्री प्रदूषण नियंत्रण के लिए डिजाइन किया गया है, लेकिन इसकी भूमिका यहीं तक सीमित नहीं है। यह सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन, तटीय गश्त और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने में भी समान रूप से सक्षम है। इसका अर्थ यह है कि 'समुद्र प्रताप' में एक ही प्लेटफॉर्म पर कई क्षमताओं को इंटीग्रेट किया गया है। रक्षा मंत्री के अनुसार, यही आधुनिक अप्रोच आज की समुद्री चुनौतियों की मांग है, जहां लचीलापन और तैयारी दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित 'समुद्र प्रताप' 114.5 मीटर लंबा और लगभग 4,200 टन वजनी है। यह 60: से अधिक स्वदेशी तकनीक से बना है और इसकी अधिकतम गति 22 नॉट से ज्यादा है, जो इसे लंबी दूरी के परिचालन के लिए बेहद सक्षम बनाती है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि इस पोत में 60: से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग अपने आप में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' पहल का वास्तविक अर्थ ऐसे ही जटिल और अत्याधुनिक रक्षा प्रोजेक्ट्स में दिखाई देता है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारत का डिफेंस इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम अब काफी परिपक्व हो चुका है और जटिल निर्माण चुनौतियों को संभालने में सक्षम है।

रक्षा मंत्री ने बताया कि 'समुद्र प्रताप' भारत की पहली

शेष पृष्ठ 4 पर

सांसद ने स्वराज द्वीप में बंदरगाह क्षेत्र और राधानगर तट पर पार्किंग व्यवस्था की मांग की

श्री विजय पुरम, 5 जनवरी। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय ने स्वराज द्वीप के बंदरगाह क्षेत्र और राधानगर तट पर नामित पार्किंग क्षेत्रों के निर्माण के लिए अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन से अनुरोध किया है ताकि सुचारू वाहन आवागमन सुनिश्चित हो सके, भीड़भाड़ कम हो और पर्यटकों एवं निवासियों दोनों को परेशानी मुक्त अनुभव मिल सके। सांसद कार्यालय से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।

राधानगर में "संपर्क से समाधान" शिविर अदालत में शिकायतों का निवारण

क्षेत्र निरीक्षण के दौरान बुनियादी कमियों का मूल्यांकन भी किया गया

मायाबंदर, 5 जनवरी। आउटरीच कार्यक्रम "संपर्क से समाधान–प्रशासन गाँव की ओर'' के भाग के रूप में 2 जनवरी, 2026 को उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले के उपायुक्त श्री सुशांत पधा, (आईएएस) की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत भवन, राधानगर, डिगलीपुर में शिविर अदालत का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशासन को सीधे गाँवों तक ले जाना, जनता की शिकायतों को सुनना और उनका त्वरित निवारण सुनिश्चित करना है।

इस शिविर अदालत में नागरिक प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य, लोक निर्माण, कृषि, मत्स्य, वन, आपूर्ति और ग्रामीण विकास विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ–साथ राधानगर पंचायत के पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के निर्वाचित प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस संवाद के दौरान अनेक चिंताएं और अभ्यावेदन प्राप्त हुए, जिनमें से कई का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। अंतर–विभागीय समन्वय की आवश्यकता वाले मामलों की पहचान कर ली गई है और आवश्यक कार्रवाई एवं व्यवस्थित अनुवर्ती कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों से सम्पर्क किया जा रहा है। संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

अण्डमान लोक निर्माण विभाग ने एक महीने के भीतर सड़क मरम्मत कार्य पूरा करने का आश्वासन दिया, जबकि नागरिक आपूर्ति विभाग ने समय पर एलपीजी सिलेंडर वितरण सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई। स्वास्थ्य विभाग को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में डॉक्टरों की तैनाती और दवाओं की नियमित आपूर्ति सहित अन्य कमियों को दूर करने का निर्देश दिया गया। राजस्व और बीएसएनएल अधिकारियों को मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी में सुधार के लिए स्थानों का संयुक्त रूप से निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया।

शिविर अदालत के बाद, उपायुक्त और उनके साथ आए अधिकारियों ने 2 और 3 जनवरी, 2026 को राधानगर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, राजा प्लॉट, श्याम नगर और स्वराजग्राम गाँवों में क्षेत्र निरीक्षण किया। इस दौरान जल संकट, नालों की रुकावट, मानसून और उच्च ज्वार के दौरान बाढ़, सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण और बुनियादी ढांचे की कमियों जैसे मुद्दों का मौके पर ही मूल्यांकन किया गया। कुओं के निर्माण, नालों की सफाई, तकनीकी अनुमान प्रस्तुत करने और विभागों के बीच समन्वित कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए।

उत्तर व मध्य अण्डमान के उपायुक्त द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार प्रशासन ने उत्तरदायी, पारदर्शी और जन–केंद्रित शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और इस बात पर ज़ोर दिया कि सार्वजनिक सेवाओं के प्रभावी वितरण और त्वरित शिकायत निवारण को सुनिश्चित करने के लिए ऐसे आउटरीच कार्यक्रम भविष्य में भी जारी रहेंगे।

द्वीप समुद्री खाद्य उत्सव 15 और 16 जनवरी को

इच्छुक व्यक्तियों से 9 जनवरी तक आवेदन मांग गए हैं

श्री विजय पुरम, 5 जनवरी। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के मत्स्य विभाग द्वारा सूचना, प्रचार एवं पर्यटन विभाग के सहयोग से और राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड, हैदराबाद के वित्तीय सहयोग से, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में 'सीफूड उपभोग संस्कृति' और 'टूना क्लस्टर विकास' को बढ़ावा देने के भाग के रूप में 15 और 16 जनवरी, 2026 को श्री विजय पुरम में द्वीप समुद्री खाद्य उत्सव (आईलैंड सीफूड फेस्टिवल) के दूसरे संस्करण का आयोजन करने का प्रस्ताव किया गया है।

इस उत्सव का उद्देश्य द्वीपों की समृद्ध समुद्री खाद्य विविधता और मात्स्यिकी आधारित आजीविका का प्रदर्शन करना है। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, समुद्री भोजन पकाने का प्रदर्शन, सार्वजनिक प्रतियोगिताएं और संवादात्मक सत्र शामिल होंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय आबादी के साथ–साथ पर्यटकों के बीच द्वीपों की समुद्री खाद्य संस्कृति को लोकप्रिय बनाना है, साथ ही घरेलू मछली विपणन और मछली की खपत में वृद्धि को बढ़ावा देना है। यह उत्सव किसान–वैज्ञानिक संवाद बैठकों और आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) और पीएम–एमकेएसएसवाई जैसी प्रमुख मत्स्य योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

उत्सव के दौरान, इच्छुक मत्स्य संघों, उद्यमियों, मत्स्य सहकारी समितियों, एक्वैरियम दुकानों, स्पोर्ट्स फिशिंग वेसल मालिकों, होटलों और रेस्तरां व महिला स्वयं सहायता समूहों, एनजीओ आदि को विभिन्न मात्स्यिकी गतिविधियों, उत्पादों, सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए स्टॉल आवंटित किए जाएंगे, जिनमें जीवित, ताज़ी, ठंडी, जमी हुई मछली उत्पाद और अन्य मूल्य वर्धित उत्पाद, समुद्री भोजन व्यंजन, एक्वैरियम, मछली चारा, आवश्यक मत्स्य सामग्री, स्पोर्ट्स फिशिंग सेवाएं आदि शामिल हैं। चयन के बाद इच्छुक लाभार्थियों को स्टॉल आवंटन के संबंध में स्थान और अन्य विवरणों की सूचना दी जाएगी।

इच्छुक व्यक्ति एवं फर्म निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन 9 जनवरी, 2026 तक मत्स्य प्रशिक्षण केंद्र, मरीन हिल में या ईमेल (fisheriestrainingcentreani@gmail.com) द्वारा जमा कर सकते हैं। किसी भी विवरण के लिए फोन नम्बर 9594801891/8900942618 पर सम्पर्क किया सकता है। मत्स्य विभाग की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि आवेदन का प्रारूप मत्स्य प्रशिक्षण केंद्र, मरीन हिल से प्राप्त किया जा सकता है या https://andamannicobar.gov.in और https://anifisheries.andamannicobar.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

आज सुबह 6 बजे से 10.30 बजे तक फ्लैग प्वाइंट मार्ग बंद रहेगा

श्री विजय पुरम, 5 जनवरी। मोटर वाहन अधिनियम, 1988 (1988 का अधिनियम संख्या 59) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और प्रशासन की अधिसूचना संख्या 2008/F-No-32-95/2008-TR दिनांक 10 मार्च, 2008 के साथ पठित, ज़िलाधीश, दक्षिण अण्डमान ज़िला ने सभी संबंधितों की जानकारी के लिए अधिसूचित किया है कि 'परमवीर सागर यात्रा–2026' के फ्लैग ऑफ समारोह के आयोजन के लिए 6 जनवरी, 2026 को सुबह 6 बजे से सुबह 10.30 बजे तक फ्लैग प्वाइंट पर सभी वाहनों का आवागमन बंद रहेगा। दक्षिण अण्डमान के अपर ज़िलाधीश द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार उपरोक्त अवधि के दौरान, सभी वाहनों को सर्किट हाउस मार्ग के माध्यम से डायवर्ट किया जाएगा। यातायात के सुचारू प्रबंधन के लिए सभी संबंधितों से सहयोग करने और यातायात नियमों का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

मध्योत्तर अण्डमान में सभी वजन और माप उपकरणों, शराब/पेग माप, ऑटो किराया मीटर आदि के सत्यापन और मुद्रांकन के लिए शिविर लगेंगे

श्री विजय पुरम, 5 जनवरी। उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले के सभी व्यापारियों, बार प्रतिष्ठानों, ऑटो रिक्शा मालिकों और अन्य संबंधित सरकारी एवं अर्ध–सरकारी प्रतिष्ठानों को सूचित किया गया है कि विधिक माप विज्ञान अधिकारी, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले निदेशालय की टीम के साथ 9 से 20 जनवरी तक उत्तर व मध्य अण्डमान में शिविर आयोजित करेंगे। यह शिविर उक्त क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले सभी वजन और माप उपकरणों, शराब/पेग माप, ऑटो किराया मीटर आदि के सत्यापन और मुद्रांकन के लिए आयोजित किया जाएगा। क्षेत्रवार शिविर का संभावित कार्यक्रम इस प्रकार है:

दिनांक	क्षेत्र	शिविर स्थल
09.01.2026 से 13.01.2026	डिगलीपुर	नागरिक आपूर्ति इकाई, डिगलीपुर
14.01.2026	मायाबंदर	सहायक निदेशक (नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामले) का कार्यालय, मायाबंदर
15.01.2026	बिल्लीग्राउंड	पंचायत मार्केट, बिल्लीग्राउंड
16.01.2026 से 18.01.2026	रंगत	नागरिक आपूर्ति इकाई, रंगत
19.01.2026	कदमतला	पंचायत मार्केट, कदमतला
20.01.2026	बाराटांग	सीसीएस लिमिटेड, बाराटांग

शेष पृष्ठ 4 पर

बालवाटिका के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए बुनियादी चरणों पर द्वीपों के प्रमुख संसाधन व्यक्तियों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 5 जनवरी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुसार बालवाटिका के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए बुनियादी चरणों पर अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के प्रमुख संसाधन व्यक्तियों (केआरपी) के लिए पांच दिवसीय क्षमता विकास कार्यक्रम का उद्घाटन आज राज्य शिक्षा संस्थान, श्री विजय पुरम में किया

शेष पृष्ठ 4 पर

कैम्पबेल बे में जागरूकता कार्यक्रम–सह–डेयरी किसानों की बैठक आयोजित

कैंपबेल बे, 5 जनवरी।
पशुपालन व पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने आज पशु चिकित्सालय, कैंपबेल बे, ग्रेट निकोबार में पारंपरिक कृत्रिम गर्भाधान और सेक्स सॉर्टेड सीमेन को बढ़ावा देने पर जागरूकता कार्यक्रम और डेयरी किसानों की बैठक आयोजित की।

इस कार्यक्रम में स्थानीय हितधारकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिसमें ग्रेट निकोबार द्वीप के उप–प्रमुख, गोविंद नगर और कैंपबेल बे ग्राम पंचायतों के प्रधान, कैंपबेल बे के उप–प्रधान, कई पीआरआई सदस्य और तीनों ग्राम पंचायतों यानी गोविंद नगर, कैंपबेल बे और लक्ष्मी नगर का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 30 पशुपालक किसान शामिल थे।

पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा के निदेशक डॉ. के. ए. नवीन ने बैठक में वर्चुअली भाग लिया और प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने दूध उत्पादकता में सुधार, एसएसएस, कृत्रिम गर्भाधान (एआई) के माध्यम से मादा बछड़ों के अनुपात को बढ़ाने और दूरस्थ निकोबार ज़िले में समग्र पशुधन अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में उन्नत प्रजनन प्रौद्योगिकियों के लाभों पर ज़ोर दिया।

सत्र में किसानों को पारंपरिक एआई और क्रांतिकारी सेक्स सॉर्टेड सीमेन तकनीक के लाभों के बारे में शिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो मादा बछड़ों की उच्च संभावना को सक्षम बनाता है, जिससे डेयरी विकास में सहायता मिलती है और अवांछित नर बछड़ों की संख्या कम होती है। सेवाओं की उपलब्धता, सब्सिडी योजनाओं और घर–द्वार पर एआई सुविधाओं की डिलीवरी पर व्यावहारिक मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार स्थानीय नेताओं और किसानों ने सक्रिय रूप से बातचीत की, क्षेत्र के अनुभव साझा किए और कार्यान्वयन पर स्पष्टीकरण मांगा। प्रधानों और पीआरआई सदस्यों ने इन वैज्ञानिक प्रजनन प्रथाओं को अपनाने के लिए अधिक किसानों को जुटाने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

साइकिल चालन खेल में प्रतिभा खोज

श्री विजय पुरम, 5 जनवरी।
नई दिल्ली के अधिकारी 9 और 10 जनवरी को कार निकोबार में भारतीय खेल प्राधिकरण योजना के तहत बच्चों के लिए प्रतिभा खोज कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह पहुंचेंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण ने द्वीप के साइकिल चालकों के समृद्ध खेल इतिहास और राष्ट्रीय स्तर पर उनके शानदार प्रदर्शन को मान्यता देते हुए इस प्रतिभा खोज पहल का विस्तार इन द्वीपों तक किया है। इन उपलब्धियों ने द्वीपों से अधिक प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करने और मुख्यभूमि पर राष्ट्रीय खेल केंद्रों के माध्यम से उन्हें सुरक्षित करने, बढ़ावा देने और प्रशिक्षित करने के निर्णय को दृढ़ता से प्रभावित किया है।

प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि किसी भी खेल विधा के इच्छुक संस्थान, माता–पिता और बच्चे छात्रों के पंजीकरण और अधिक विवरण के लिए समन्वयक से फोन नंबर 7507382846 पर संपर्क कर सकते हैं।

बालवाटिका के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए ——————————पृष्ठ 1 का शेष

गया। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एनसीईआरटी, भुवनेश्वर द्वारा राज्य शिक्षा संस्थान, श्री विजय पुरम के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है और यह 5 से 9 जनवरी, 2026 तक जारी रहेगा।

उद्‌घाटन सत्र की शुरुआत राज्य शिक्षा संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक द्वारा गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई, जिसने सशक्त और अच्छी तरह से तैयार केआरपी के माध्यम से बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने का आधार तैयार किया। इसके बाद शिक्षा विभाग के प्रमुख और कार्यक्रम समन्वयक, आरआईई, एनसीईआरटी, भुवनेश्वर, प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा ने संदर्भ–निर्धारण संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने कार्यक्रम के लक्ष्यों और रूपरेखा के बारे में विस्तार से बताया। राज्य शिक्षा संस्थान और ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की प्रधानाचार्य श्रीमती संगीता चंद ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। अपने उद्‌घाटन भाषण में, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि ''बालवाटिका आजीवन सीखने के बुनियादी स्तंभ हैं'' और युवा शिक्षार्थियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि प्रत्येक केआरपी को प्रशिक्षण में पूरी तन्मयता से भाग लेना चाहिए और एक मजबूत व स्थायी आधार बनाने के लिए द्वीपों के सभी बालवाटिका शिक्षकों तक इस सीख को प्रभावी ढंग से पहुँचाना चाहिए।

अपने मुख्य भाषण में, प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा ने एनईपी 2020 में परिकल्पित बालवाटिकाओं के अत्यधिक महत्व को रेखांकित किया, जिसमें आनंददायक, खेल–आधारित और अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने में ''जादुई पिटारा'' के शैक्षणिक महत्व पर विशेष ज़ोर दिया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उद्‌घाटन सत्र का समापन आरआईई, एनसीईआरटी, भुवनेश्वर के सहायक प्रोफेसर डॉ. वरुण अशोकन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के विभिन्न हिस्सों से 40 केआरपी ने भाग लिया, जो बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने और पूरे केंद्र शासित प्रदेश में बालवाटिका के प्रभावी कार्यान्वयन के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मध्योत्तर अण्डमान में सभी वजन और माप ——————————पृष्ठ 1 का शेष

प्राप्त विज्ञप्ति में आगे, सभी संबंधितों को सूचित किया गया है कि यदि उपरोक्त निर्धारित समय के बाद उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले में कोई भी असत्यापित/दोषपूर्ण वजन और माप उपकरणों का उपयोग करते हुए पाया जाता है, तो इसे गंभीरता से लिया जाएगा और उनके खिलाफ कानून के तहत निर्धारित कड़ी कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

एनडीडीबी फाउंडेशन फॉर न्यूट्रिशन के ——————————पृष्ठ 1 का शेष

कॉन्क्लेव के दौरान माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री सेल.भिलाई इस्पात संयंत्र, छत्तीसगढ़ के सीएसआर के अंतर्गत गिटमिल्क कार्यक्रम के तृतीय चरण का शुभारंभ करेंगे, जिसके तहत भिलाई इस्पात संयंत्र के खनन क्षेत्रों में स्थित सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत लगभग 4,000 बच्चों को लाभ मिलेगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विटामिन A एवं D से फोर्टिफाइड लेवर्ड दूध की आपूर्ति एनडीडीबी द्वारा प्रबंधित छत्तीसगढ़ दुग्ध महासंघ के माध्यम से की जाएगी। इसके अतिरिक्त, श्री अमित शाह आईडीबीआई बैंक की सीएसआर पहल के अंतर्गत शिशु संजीवनी कार्यक्रम का भी शुभारंभ करेंगे। यह कार्यक्रम महाराष्ट्र के नागपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित आंगनवाड़ी केंद्रों में अध्ययनरत लगभग 3,000 बच्चों को पोषण सहायता प्रदान करेगा। शिशु संजीवनी एनडीडीबी द्वारा विकसित एक ऊर्जा–सघन, अर्ध–ठोस, रेडी–टू–ईट फोर्टिफाइड पोषण पूरक है, जिसका निर्माण महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित भंडारा मिल्क यूनियन द्वारा किया जाएगा।

यह राष्ट्रीय कॉन्क्लेव भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों/पीएसयू के अध्यक्षों एवं सीईओ, डेयरी सहकारी संस्थाओं, प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों तथा लाभार्थी संस्थानों (विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों) के प्रतिनिधियों को एक साझा मंच प्रदान करेगा। कॉन्क्लेव का उद्देश्य बच्चों में कुपोषण से निपटने हेतु सहयोगात्मक, नवोन्मेषी एवं सतत रणनीतियों पर विचार–विमर्श करना है। उद्‌घाटन सत्र के पश्चात, दो विषयों 'पोषण एवं स्वास्थ्यः सार्वजनिक हस्तक्षेपों के माध्यम से कुपोषण उन्मूलन' तथा 'पोषण सुरक्षा के लिए कॉर्पोरेट. सहकारिता सहभागिता' पर तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में देशभर से लगभग 1,200 प्रतिभागियों के सम्मिलित होने की संभावना है।

तटरक्षक बल को मिला अब तक का सबसे ——————————पृष्ठ 1 का शेष

स्वदेशी रूप से डिजाइन की गई प्रदूषण नियंत्रण वेसल है और तटरक्षक बल के बेड़े का अब तक का सबसे बड़ा पोत भी है। उन्होंने कहा कि 4,170 टन वजन और लगभग 115 मीटर की लंबाई इसकी विशालता को दर्शाती है, जबकि 22 नॉट की गति इसकी ऑपरेशनल क्षमता को साबित करती है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि हाल के वर्षों में समुद्री प्रदूषण एक गंभीर वैश्विक चुनौती बनकर उभरा है। इससे मछुआरों की आजीविका, तटीय समुदायों का भविष्य और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा प्रभावित होती है। ऐसे में तटरक्षक बल द्वारा चलाए जा रहे तटीय स्वच्छता अभियान, प्रदूषण रिस्पांस अभियान और बहु–एजेंसी समन्वय वास्तव में सराहनीय हैं।

उन्होंने कहा कि तटरक्षक बल ने देशवासियों के भीतर एक मजबूत भरोसा पैदा किया है। मछुआरे और तटीय समुदाय निश्चिंत होकर अपने कार्यों में लगे रहते हैं, क्योंकि उन्हें भरोसा है कि किसी भी आपात स्थिति में तटरक्षक बल उनके साथ खड़ा है। साथ ही यह भरोसा देश के दुश्मनों के भीतर भी है कि भारत की समुद्री सीमा की ओर आंख उठाने की हिमाकत की गई, तो उसका करारा जवाब मिलेगा। रक्षा मंत्री ने कहा, "समुद्र हमारी संस्कृति, हमारी अर्थव्यवस्था और हमारे भविष्य का आधार है। एक सुरक्षित और स्वच्छ समुद्र ही सुरक्षित व्यापार, सुरक्षित जीवन और सुरक्षित पर्यावरण की गारंटी दे सकता है। 'समुद्र प्रताप' जैसे प्लेटफॉर्म हमें यह विश्वास दिलाते हैं कि भारत अपनी समुद्री जिम्मेदारियों को निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है।" उन्होंने बताया कि 'समुद्र प्रताप' पर दो महिला अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए रोल मॉडल बनेंगी। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज महिला अधिकारी पायलट, ऑब्जर्वर, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर, लॉजिस्टिक ऑफिसर और लॉ ऑफिसर जैसे महत्वपूर्ण दायित्व निभा रही हैं। उन्हें होवरक्राट ऑपरेशन और फ्रंटलाइन मिशनों के लिए भी प्रशिक्षित किया जा रहा है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

टैगोर कॉलेज में 'नशा मुक्त भारत, खुशहाल भारत' पर जागृति लाई गई

श्री विजय पुरम, 5 जनवरी।
नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ अखिल भारतीय सोलो जागरूकता अभियान के समापन के भाग के रूप में, समाज कल्याण निदेशालय द्वारा आज यहां के टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय की सेमिनार गैलरी में 'नशा मुक्त भारत, खुशहाल भारत' पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और संकाय सदस्यों को नशीली दवाओं और मादक द्रव्यों के सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में संवेदनशील बनाना और एक स्वस्थ, ज़िम्मेदार और नशा मुक्त समाज को बढ़ावा देना था। यह कार्यक्रम 194 दिनों के अखिल भारतीय सोलो जागरूकता अभियान के औपचारिक समापन का भी प्रतीक था, जिसे 26 जून, 2025 को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह से शुरू किया गया था और इसने भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सफलतापूर्वक कवर किया।

इस कार्यक्रम में आईआरसीए के डॉक्टर डॉ. एम. के. महतो, एंटी–नारकोटिक्स सीआईडी शाखा के सब–इंस्पेक्टर श्री मनोज लाल; मनोवैज्ञानिक–सह–परामर्शदाता, एनटीसीपी श्री रतिन मल्लिक और नशा मुक्त भारत अभियान के सोलो स्वयंसेवक श्री शेखर राव सहित प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों द्वारा सूचनात्मक और प्रेरक सत्र आयोजित किए गए।

संसाधन व्यक्तियों ने मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम, मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों, कानूनी निहितार्थों और "नशा मुक्त भारत, खुशहाल भारत" प्राप्त करने में युवाओं और सामुदायिक भागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उनकी स्वैच्छिक सेवा और जागरूकता सृजन में निरंतर योगदान की मान्यता में, टैगोर कॉलेज के प्राचार्य द्वारा श्री शेखर राव को 'प्रशंसा पत्र' प्रदान किया गया। छात्रों को यूडीआईडी कार्ड की पंजीकरण प्रक्रिया और लाभों के बारे में भी जानकारी दी गई।

समाज कल्याण निदेशालय की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार छात्रों और संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया, जो एक संवादात्मक सत्र के बाद समाप्त हुआ और छात्रों द्वारा नशा मुक्त और सशक्त भारत के राष्ट्रीय मिशन का समर्थन करने की शपथ ली गई।

नौ शैक्षिक अचलों के सामान्य शिक्षकों के लिए समावेशी शिक्षा पर कार्यक्रम आरंभ

श्री विजय पुरम, 5 जनवरी।
डॉ. एस. राधाकृष्णन ज़िला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), गाराचारमा, श्री विजय पुरम ने समग्र शिक्षा के तत्वावधान में, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के सभी 9 शैक्षिक अंचलों के सामान्य शिक्षकों के लिए समावेशी शिक्षा पर तीन दिवसीय क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 5 से 7 जनवरी, 2026 तक राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, श्री विजय पुरम में आयोजित इस कार्यक्रम में 80 सामान्य शिक्षक भाग ले रहे हैं।

उद्‌घाटन समारोह की शोभा मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती संगीता चंद, प्रधानाचार्या, राज्य शिक्षा संस्थान–सह–डाइट, गाराचरामा द्वारा बढ़ाई गई। अपने संबोधन में, उन्होंने सभी बच्चों के लिए समान सीखने के अवसर सुनिश्चित करने में समावेशी शिक्षा के महत्व पर ज़ोर दिया और शिक्षकों को अपनी कक्षाओं में शिक्षार्थी–केंद्रित और समावेशी प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

यह कार्यक्रम मुख्यभूमि के प्रख्यात संसाधन व्यक्तियों की उपस्थिति से समृद्ध है, जिनमें डॉ. रामा एस., पूर्व डीन, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आईआईई), मैसूर, और डॉ. श्रीप्रिया आर., प्रभारी क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय दृष्टिबाधित संस्थान (एनआईवीपीवीडी) चेन्नई शामिल हैं। ये संसाधन व्यक्ति शिक्षकों को विविध शिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने और समावेशी शिक्षण–अधिगम वातावरण को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक रणनीतियों, शैक्षणिक कौशल और कक्षा हस्तक्षेपों से सुसज्जित कर रहे हैं।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य शिक्षकों की व्यावसायिक दक्षताओं को मजबूत करना और युवा मस्तिष्कों को निखारने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति उन्हें संवेदनशील बनाना है। यह कार्यक्रम ऐसी समावेशी कक्षाएं बनाने की आवश्यकता पर बल देता है जहाँ शिक्षण हर बच्चे तक पहुँचे, चाहे उनकी व्यक्तिगत क्षमताएं, ज़रूरतें या सीखने की शैली कुछ भी हो।

ओपन स्टेट क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप और चयन परीक्षण सम्पन्न

श्री विजय पुरम, 5 जनवरी।
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एथलेटिक्स एसोसिएशन ने कल श्री विजय पुरम में ओपन (पुरुष और महिला), अंडर–20 (लड़के और लड़कियां), अंडर–18 (लड़के और लड़कियां), और अंडर–16 (लड़के और लड़कियां) श्रेणियों के लिए ओपन स्टेट क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप और चयन परीक्षण आयोजित किया।

चैंपियनशिप के दौरान आयोजित स्पर्धाओं में ओपन पुरुष और महिलाओं के लिए 10 किमी, अंडर–20 लड़कों और लड़कियों के लिए क्रमशः 8 किमी और 6 किमी, अंडर–18 लड़कों और लड़कियों के लिए क्रमशः 6 किमी और 4 किमी, और अंडर–16 श्रेणी में लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए 2 किमी की दौड़ शामिल थी। चैंपियनशिप में द्वीपों के एथलीटों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सुचारू, अनुशासित और प्रतिस्पर्धी तरीके से आयोजित किया गया।

प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि चैंपियनशिप के दौरान, 24 जनवरी, 2026 को रांची, झारखंड में आयोजित होने वाली आगामी 60वीं नेशनल क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का प्रतिनिधित्व करने के लिए एथलीटों का चयन किया गया।

लिटिल अण्डमान अंचल में विद्यालय स्तरीय शतरंज प्रशिक्षण शुरू

श्री विजय पुरम, 5 जनवरी।
लिटिल अण्डमान अंचल के छात्रों के लिए पांच दिवसीय शतरंज प्रशिक्षण कार्यक्रम आज पीएम श्री राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, हटबे और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, आर.के. पुर में दो अलग–अलग समूहों में बड़े उत्साह के साथ शुरू हुआ। यह कार्यक्रम शिक्षा निदेशालय द्वारा लिटिल अण्डमान शैक्षिक अंचल के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

हटबे समूह में कार्यक्रम का उद्‌घाटन पीएम श्री हटबे स्कल के प्रधानाचार्य श्री प्रभाष रॉय ने शतरंज की पहली चाल चलकर किया। इसी तरह, आर.के. पुर स्कूल समूह में शतरंज प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्‌घाटन स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती डार्ली सैमुअल ने प्रभारी सहायक पर्यवेक्षक (खेल) श्री मोहम्मद सलीम की उपस्थिति में औपचारिक रूप से पहली चाल चलकर किया। शिक्षा निदेशालय की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, युवा प्रतिभाओं को निखारने और ज़मीनी स्तर पर शतरंज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पूरे अंचल के विभिन्न स्कूलों के लगभग 150 छात्र दो अलग–अलग समूहों में कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

ANDAMAN AND NICOBAR ADMINISTRATION
SECRETARIAT

NOTIFICATION

Sri Vijaya Puram, Dated the 31st December, 2025 No.117/2025/F.No.ANUTVC/06/2022-2023. In exercise of the powers conferred by Section 32 of the Indian Veterinary Council Act 1984 (Act No. 52 of 1984 read with Govt. of India, Ministry of Home Affairs Notification No S.O.236(E) dated 1st March 1988, the Lt. Governor (Administrator), Andaman & Nicobar Islands is pleased to appoint the following persons as members of the A&N Union Territory Veterinary Council with immediate effect for a term of three years or till its subsequent council is formed, whichever is earlier, in accordance with the provisions of the above said Act.

1. Dr. R. K. Singh, Rtd. Sr. Veterinary Officer, DAH&VS (Elected)
2. Dr. Satish Kumar, Sr. Veterinary Officer, DAH&VS (Elected)
3. Dr.SubashBaburaoPalve,Sr. Veterinary Officer,DAH&VS (Elected)
4. Dr. ProkasanandaBala, Principal Scientist, Animal Science Division, ICAR-CIARI, Bhatubasti (Elected)
5. Dr. Jai Sunder, Principal Scientist of ICAR-CIARI,Bhatubasti(Elected)
6. Dr. K.P.Ummer, Rtd. Sr. Veterinary Officer, DAH&VS (Nominee of Indian Veterinary Association, A&N Branch, Sri Vijayapuram)
7. Dr. N. G. Poddar, Rtd. Sr. Veterinary Officer, DAH&VS, private practitioner
8. Dr. Baljit Kaur, Sr. Veterinary Officer, Zonal Office, Nicobar District, DAH&VS (Elected).
9. Dr. LawhaleNinadSahebrao, Sr. Veterinary Officer, VD,Manglutan, DAH&VS (Elected)
10. The Director of AH &VS A & N Islands, Sri Vijayapuram as Ex-Officio member.
11. The Registrar of the ANUT Veterinary Council as Ex-Officio member.

By order and in the name of the Lieutenant Governor
Andaman & Nicobar Islands
Sd./-
Registrar (AH&VS)

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

सं. टी.एन.–डी.बी./द.अ.म./2025–26/3305, 3289, 3291, 3304, 3290
दिनांक 31.12.2025, 02,01,03 दिनांक 01.01.2026

कार्यपालक अभियंता, एस.ए.डी., अलोनिवि, श्री विजय पुरम भारत के राष्ट्रपति की ओर से अलोनिवि के स्वी.त और पात्र ठेकेदारों या सभी ठेकेदारों से पांच साल के लिए उनके रखरखाव सहित सड़क के सुधार के लिए ऑनलाइन आइटम दर निविदा/बोली आमंत्रित करते हैं। अलोनिवि या किसी अन्य सरकार में उनका नामांकन। विभाग इस शर्त के अधीन है कि उनके पास सीपीडब्ल्यूडी वर्क्स मैनुअल के अनुसार और इन द्वीपों में भारत सरकार के अन्य संगठनों के साथ काम के प्रासंगिक परिमाण को निष्पादित करने का अनुभव है और निम्नलिखित कार्य के लिए कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं है ।

1. एनआईटी संख्या 22/एसई/एसवीपीसीसी/2025–26, निविदा आई.डी. 2025_APWD_21291_1
कार्य का नाम : मिन्नी बे जंक्शन से बाथू बस्ती स्थित जल शोधन संयंत्र तक सड़क की मरम्मत और सुधार कार्य। अनुमानित लागत : रु. 6,85,13,735/–, धरोहर राशि : रु. 13,70,275/–, कार्य समाप्ति की अवधि : 06 (छह) महीना। बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि और समय : 08/01/2026 के अपराहन 1500 बजे।

2. एनआईटी संख्या 24/एसई/एसवीपीसीसी/2025–26, निविदा आई.डी. 2025_APWD_21288_1
कार्य का नाम : डेयरी फार्म से उत्कर्ष गेट तक जिला सड़क का सुधार कार्य। अनुमानित लागत : रु. 3,60,00,366/–, धरोहर राशि : रु. 7,20,007/–, कार्य समाप्ति की अवधि : 06 (छह) महीना। बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि और समय : 08/01/2026 के अपराहन 1500 बजे।

3. एनआईटी संख्या 25/एसई/एसवीपीसीसी/2025–26, निविदा आई.डी. 2025_APWD_21286_1
कार्य का नाम : श्री विजय पुरम स्थित एसएडी, अलोनिवि के अंतर्गत गांधी प्रतिमा से मरीन गेट होते हुए फीनिक्स बे पावर हाउस तक सड़क का पुनर्निर्माण और सुधार कार्य (लंबाई 954 मीटर)। अनुमानित लागत : रु. 2,28,03,057/–, धरोहर राशि : रु. 4,56,061/–, कार्य समाप्ति की अवधि : 06 (छह) महीना। बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि और समय : 08/01/2026 के अपराहन 1500 बजे।

4. एनआईटी संख्या 26/एसई/एसवीपीसीसी/2025–26, निविदा आई.डी. 2025_APWD_21289_1
कार्य का नाम : पावर हाउस जंक्शन से आईपी एण्ड टी जंक्शन तक लाइट हाउस होते हुए सड़क का पुनर्निर्माण और सुधार (चौनल–876 मीटर)। अनुमानित लागत : रु. 2,84,07,521/–, धरोहर राशि : रु. 5,68,150/–, कार्य समाप्ति की अवधि : 03 (तीन) महीना। बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि और समय : 08/01/2026 के अपराहन 1500 बजे।

5. एनआईटी संख्या 27/एसई/एसवीपीसीसी/2025–26, निविदा आई.डी. 2026_APWD_21297_1
कार्य का नाम : गाराचरामा बस्ती से डॉलीगंज वाटर टैंक तक सड़क का पुनर्निर्माण, जिसमें ईई, एसएडी के नीचे भूस्खलन के कारण क्षतिग्रस्त हुई टो वॉल और नाली की मरम्मत शामिल है। अनुमानित लागत : रु. 4,15,61,164/–, धरोहर राशि : रु. 8,31,223/–, कार्य समाप्ति की अवधि : 11 (ग्यारह) महीना। बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि और समय : 08/01/2026 के अपराहन 1500 बजे।

6. एनआईटी संख्या 28/एसई/एसवीपीसीसी/2025–26, निविदा आई.डी. 2026_APWD_21295_1
कार्य का नाम : नायगाँव मुख्य सड़क से नायगाँव स्थित मत्स्य फार्म/कॉलोनी तक 585 मीटर की सड़क का सुधार और चौड़ीकरण। अनुमानित लागत : रु. 1,44,75,771/–, धरोहर राशि : रु. 2,89,515/–, कार्य समाप्ति की अवधि : 06 (छह) महीना। बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि और समय : 08/01/2026 के अपराहन 1500 बजे।

7. एनआईटी संख्या 29/एसई/एसवीपीसीसी/2025–26, निविदा आई.डी. 2026_APWD_21298_1
कार्य का नाम : हावाघर जंक्शन से नायगाँव गाँव होते हुए कार्बिन्स कोव जंक्शन तक जाने वाली 2892 मीटर लंबी सड़क का पुनर्निर्माण। अनुमानित लागत : रु. 4,45,35,449/–, धरोहर राशि : रु. 8,90,709/–, कार्य समाप्ति की अवधि : 06 (छह) महीना। बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि और समय : 08/01/2026 के अपराहन 1500 बजे।

8. एनआईटी संख्या 30/एसई/एसवीपीसीसी/2025–26, निविदा आई.डी. 2025_APWD_21276_1
कार्य का नाम : कार्बिन चौक जंक्शन से मरियम्मा मंदिर तक 1367 मीटर की लंबाई में सड़क का सुधार और उन्नयन। अनुमानित लागत : रु. 3,05,36,189/–, धरोहर राशि रु. 6,10,724/–, कार्य समाप्ति की अवधि : 06 (छह) महीना। बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि और समय : 08/01/2026 के 1500 बजे।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेब साइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in/nicgep/app से प्राप्त किए जा सकते हैं।

कार्यपालक अभियंता, द॰अ॰म॰
अलोनिवि, श्री विजय पुरम

शपथ पत्र

मैं, रोहुल अमीन राणा, पिता शराफत अली राणा, निवासी ओल्ड पहाड़गांव, श्री विजय पुरम तहसील, जिला दक्षिण अण्डमान, ससम्मान शपथ लेकर निम्नलिखित घोषणा करता हूँ :

1. कि मैं उपरोक्त पते का स्थाई निवासी हूँ।
2. कि अनजाने में मेरे शिक्षा प्रमाण पत्रों में मेरा नाम गलत दर्ज हो गया है।
3. कि मेरे शिक्षा प्रमाण पत्रों में मेरा नाम राना रोहुल अमीन शराफत अली के रूप में दर्ज है, जबकि मेरा सही नाम रोहुल अमीन राणा है।
4. कि मेरा वास्तविक और सही नाम रोहुल अमीन राणा है।
5. कि रोहुल अमीन राणा और राना रोहुल अमीन शराफत अली एक ही व्यक्ति हैं।
6. कि यह शपथ पत्र भविष्य में सभी आवेदन तथा सरकारी कार्यों हेतु सुधार के उद्देश्य से प्रस्तुत किया जा रहा है तथा मैं अपने सभी कार्यों में अपना सही नाम रोहुल अमीन राणा ही उपयोग करूँगा।

उपरोक्त कथन मेरे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य है।

शपथकर्त्ता

शपथ पत्र

मैं, बी. यम राजा, पुत्र बी. धन्नैयाह, निवासी हैडो, श्री विजय पुरम तहसील, जिला दक्षिण अण्डमान, एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से शपथपूर्वक निम्नलिखित घोषणा करता हूँ :

1. कि मैं उपरोक्त वर्णित पते का स्थायी निवासी हूँ।
2. कि मेरे शैक्षणिक अभिलेखों में मेरे पिता का नाम त्रुटिवश गलत अंकित हो गया है।
3. कि मेरे शैक्षणिक अभिलेखों में मेरे पिता का नाम बी. धनईयाह अंकित है, जबकि सही नाम बी. धन्नैयाह है।
4. कि मेरे पिता का वास्तविक एवं सही नाम बी. धन्नैयाह है।
5. कि बी. धन्नैयाह एवं बी. धनईयाह दोनों एक ही व्यक्ति के है तथा दोनो में कोई भिन्नता नहीं है।
6. कि यह शपथ पत्र मेरे शैक्षणिक अभिलेखों में मेरे पिता के नाम में सुधार हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है तथा भविष्य में मैं सभी शासकीय एवं व्यक्तिगत कार्यों में अपने पिता का नाम बी. धन्नैयाह का ही उपयोग करूँगा।

मैं यह भी सत्यापित करता हूँ कि उपर्युक्त कथन क्रमांक 1 से 6 तक मेरे ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार पूर्णतः सत्य एवं सही है।

स्थान : श्री विजय पुरम — शपथकर्त्ता

बिना इंजन वाले INSV कौंडिन्य ने अपनी यात्रा का एक तिहाई हिस्सा पूरा किया, अब कहां पहुंचा?

नई दिल्ली, 05 जनवरी।

भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएसवी कौंडिन्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसी जानकारी सामने आई है कि इसने अपनी यात्रा का एक तिहाई हिस्सा पूरा कर लिया है। यह जहाज गुजरात के पोरबंदर से ओमान के मस्कट की यात्रा पर निकला है। आधुनिक जहाजों के विपरीत, आईएनएसवी कौंडिन्य में कोई इंजन नहीं है। यह पूरी तरह से हवा, पाल और पांचवीं शताब्दी की जहाज निर्माण विधि पर निर्भर है।

संजीव सान्याल ने क्या कहा?

स्वदेशी रूप से निर्मित जहाज की यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने लिखा, समुद्र शांत है और उत्तर–पूर्वी हवा स्थिर है। हमने कल रात अच्छी यात्रा की। जब जहाज का हिलना–डुलना कम हुआ तो मुझे नींद आ गई। उम्मीद है कि आने वाली पश्चिमी हवा शांत रहेगी और हमें फिर से अपने मार्ग से नहीं भटकाएगी।

एक सप्ताह पहले शुरु की थी यात्रा

लगभग एक सप्ताह पहले जब कौंडिन्य ने अपनी यात्रा शुरू की थी, तब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसे साकार करने में किए गए समर्पित प्रयासों के लिए डिजाइनरों, कारीगरों, जहाज निर्माताओं और भारतीय नौसेना को बधाई दी थी।

सैमसंग बनाएगा लोगों की जिंदगी का 'एआई साथी', हर प्रोडक्ट होगा स्मार्ट

नई दिल्ली, 05 जनवरी।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने कहा है कि वह अपने सभी प्रोडक्ट्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का इस्तेमाल करेगी। कंपनी का लक्ष्य है कि वह लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में एक 'एआई साथी' बन सके, जो उनकी जरूरतों को समझे और मदद करे।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रेसिडेंट रोह ताए–मून ने अमेरिका के लास वेगास में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि कंपनी चाहती है कि ग्राहक सैमसंग के सभी प्रोडक्ट्स और सेवाओं में एआई का उपयोग करके बेहतर और उपयोगी अनुभव ले सकें। यह कार्यक्रम दुनिया के बड़े टेक इवेंट कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो (सीईएस) 2026 से पहले आयोजित किया गया था। सीईएस 2026 की आधिकारिक शुरुआत मंगलवार से होने वाली है।

प्रेसिडेंट रोह ताए–मून ने कहा कि सैमसंग का लक्ष्य लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में एआई को आसान और आम बनाना है। इस सोच के तहत सैमसंग ने 'विजन एआई कंपेनियन' नाम का एक नया एआई प्लेटफॉर्म पेश किया है। यह प्लेटफॉर्म खास तौर पर सैमसंग टीवी के लिए बनाया गया है, जो यूजर की बातों और जरूरतों को पहले से बेहतर तरीके से समझ सकता है।

सैमसंग ने बताया कि 2026 में आने वाले उसके नए टीवी में एचडीआर 10 प्लस एडवांस्ड तकनीक होगी, जिससे टीवी की ब्राइटनेस, रंग और मूवमेंट क्वालिटी पहले से ज्यादा बेहतर हो जाएगी और देखने का अनुभव भी पहले से बेहद शानदार होगा। सैमसंग ने अपने 'होम कंपेनियन' विजन के बारे में भी बताया। इसका उद्देश्य है कि एआई से लैस घरेलू उपकरण घर के कामों को आसान बनाएं।

इन उपकरणों में स्क्रीन, कैमरा और आवाज पहचानने वाली तकनीक होगी, जिससे वे यूजर की जरूरतों को समझ सकें। सैमसंग के डिजिटल अप्लायंसेज बिजनेस के प्रमुख किम चोल–गी ने कहा कि कंपनी का मजबूत और जुड़ा हुआ सिस्टम इस विजन को सफल बनाएगा।सैमसंग ने कहा कि वह अपने स्मार्ट होम प्लेटफॉर्म 'स्मार्ट थिंग्स' में भी एआई तकनीक का इस्तेमाल करेगा। इससे घर के अलग–अलग उपकरण आपस में जुड़कर बेहतर तरीके से काम कर सकेंगे और यूजर की जरूरतों को समझ पाएंगे।

इसके अलावा, कंपनी ने बताया कि वह सैमसंग हेल्थ ऐप में भी एआई का उपयोग करेगी। यह ऐप यूजर की नींद, खान–पान और रोज की गतिविधियों से जुड़ा डेटा इकट्ठा करेगा, ताकि बीमारियों के शुरुआती लक्षणों को पहचाना जा सके।सैमसंग हेल्थ ऐप यूजर को एक्सरसाइज के सुझाव देगा और फ्रिज में रखे सामान के आधार पर स्वस्थ खाने की रेसिपी भी बताएगा। इसके साथ ही, सैमसंग ने एक नई तकनीक पेश की है, जो व्यक्ति की चलने की गति और उंगलियों की गतिविधि को देखकर दिमाग से जुड़ी समस्याओं के शुरुआती संकेत पहचान सकती है।

रोह ताए–मून ने कहा कि सैमसंग के प्रोडक्ट्स, सेवाएं और एआई तकनीक लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को और आसान और बेहतर बनाने के लिए हैं। उन्होंने कहा कि सैमसंग जिम्मेदार और सही तरीके से एआई का इस्तेमाल करते हुए दुनिया में एक भरोसेमंद एआई साथी बनना चाहता है।

ब्रेन–ईटिंग अमीबा का बढ़ता खतरा, स्टडी ने दी वैश्विक चेतावनी

नई दिल्ली, 05 जनवरी।

एक नई स्टडी में चेतावनी दी गई है कि 'दिमाग खाने वाले अमीबा' अब दुनिया भर में एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में उभर रहे हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार, जलवायु परिवर्तन, पुराने होते जल पाइपलाइन सिस्टम और पानी की निगरानी में कमी के कारण ये खतरनाक अमीबा अब पानी और पर्यावरण में तेजी से फैल रहे हैं।

स्टडी में बताया गया है कि ये अमीबा सामान्य कीटाणुओं से कहीं ज्यादा खतरनाक हैं क्योंकि ये अत्यधिक गर्मी, क्लोरीन जैसे डिसइन्फेक्टेंट और पानी की सप्लाई लाइन के अंदर भी जीवित रह सकते हैं - जहां लोग आमतौर पर पानी को सुरक्षित मानते हैं।

अमीबा मिट्टी और पानी में पाए जाने वाले एक कोशिकीय जीव होते हैं। अधिकतर अमीबा हानिरहित होते हैं, लेकिन कुछ प्रजातियां गंभीर और जानलेवा संक्रमण फैला सकती हैं। इनमें सबसे खतरनाक है, जिसे 'दिमाग खाने वाला अमीबा' कहा जाता है। यह तब शरीर में प्रवेश करता है जब संक्रमित पानी नाक के जरिए अंदर जाता है, जैसे स्विमिंग या तालाब में नहाते समय। यह अमीबा मस्तिष्क में घातक संक्रमण पैदा करता है, जो अक्सर जानलेवा साबित होता है।

स्टडी में यह भी बताया गया कि ये अमीबा अन्य खतरनाक बैक्टीरिया और वायरस को अपने अंदर छिपाकर रखते हैं, जिससे वे क्लोरीन और अन्य कीटाणुनाशकों से बच जाते हैं। इससे पानी में मौजूद बीमारियां और एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस का खतरा भी बढ़ सकता है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि बढ़ती गर्मी के कारण ये अमीबा उन इलाकों तक भी फैल सकते हैं, जहां पहले इनका खतरा नहीं था। हाल के वर्षों में केरल में इससे जुड़ी मौतों ने इस खतरे को और गंभीर बना दिया है।

शोधकर्ताओं ने सरकारों और स्वास्थ्य एजेंसियों से 'वन हेल्थ अप्रोच' अपनाने की अपील की है, जिसमें मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और जल प्रबंधन को एक साथ जोड़कर काम किया जाए। उन्होंने बेहतर निगरानी, आधुनिक जांच तकनीक और उन्नत जल शुद्धिकरण व्यवस्था अपनाने की जरूरत बताई है, ताकि संक्रमण से पहले ही खतरे को रोका जा सके।

वैज्ञानिकों ने कहा कि यह सिर्फ मेडिकल नहीं बल्कि पर्यावरणीय समस्या भी है, और इसके समाधान के लिए एकीकृत और सख्त कदम जरूरी हैं।

पिछले 11 वर्ष में देश में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन और निर्यात कई गुना बढ़ोत्तरी दर्ज: केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 05 जनवरी।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि पिछले ग्यारह वर्ष में देश में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन छह गुना और निर्यात आठ गुना बढ़ गया है। सोशल मीडिया पोस्ट में श्री वैष्णव ने कहा कि एप्पल ने वर्ष 2025 में 50 अरब डॉलर मूल्य के मोबाइल फोन निर्यात किए। उन्होंने कहा कि इस प्रगति से इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद शीर्ष तीन निर्यातित वस्तुओं में शामिल हो गए हैं।

श्री वैष्णव ने कहा कि चार सेमीकंडक्टर संयंत्रों में इस वर्ष वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में इस समय 25 लाख रोजगार हैं। इनमें से कई कारखानों में एक ही स्थान पर 5 हजार से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। श्री वैष्णव ने कहा कि कुछ संयंत्रों में एक ही स्थान पर 40 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारत डिजाइन, विनिर्माण, संचालन प्रणाली, अनुप्रयोग, सामग्री और उपकरण सहित संपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में एक प्रमुख उत्पादक देश बन जाएगा।

इतिहास के पन्नों में 06 जनवरी

नई दिल्ली, 05 जनवरी।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1664 – छत्रपति शिवाजी महाराज ने सूरत पर हमला किया।
1929 – मदर टेरेसा भारत में उपेक्षित और ग़रीब लोगों की सेवा करने के लिये कलकत्ता (अब कोलकाता) लौटी।
1947 – भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी ने भारत का विभाजन स्वीकार किया।
1950 – ब्रिटेन ने चीन की कम्युनिस्ट सरकार को मान्यता प्रदान की।
1976 – चीन ने लोप नोर क्षेत्र में परमाणु परीक्षण किया।
1980 – सातवीं लोक सभा चुनाव में इंदिरा गांधी की नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी को दो तिहाई बहुमत मिला।
1983 – भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को पहली बार आंध्र प्रदेश और कर्नाटक विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा।
1989 – इंदिरा गांधी की हत्या के दोनों दोषियों सतवंत सिंह और केहर सिंह को फांसी दी गई।
2002 – भारत ने सीमा में घुस आया पाकिस्तान का जासूसी विमान मार गिराया।
2002 – दक्षेस शिखर सम्मेलन सम्पन्न।
2002 – काठमाण्डू घोषणा–पत्र में आतंकवाद के खात्में पर जोर, भारत की राजनीतिक सफलता।
2002 – ब्रिटेन के प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर व भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की बातचीत के बाद दिल्ली घोषणा–पत्र पर हस्ताक्षर
2002 – बांग्लादेश की मुद्रा से शेख मुजीब का चित्र हटाया गया।
2002 – संयुक्त राज्य अमेरीका में एक और विमान भवन से टकराया।
2003 – रूस ने संयुक्त राष्ट्र से बिना अनुमति लिये इराक के ख़िलाफ़ सैनिक कार्रवाई पर अमेरिका को चेतावनी दी।
2007 – उत्तर प्रदेश का हिन्दी संस्थान की ओर से साहित्य के क्षेत्र में दिये जाने वाले वार्षिक पुरस्कारों के अंतर्गत वर्ष 2007 के भारत भारती सम्मान केदारनाथ सिंह को प्रदान करने की घोषणा हुई।
2008 – राज्यसभा सदस्य और बंगलुरू के उद्यमी तथा पूंजी और निवेश कंपनी जूपिटर कैपिटल के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजीव चन्द्रशेखर को फिक्की का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।
2008 – अमेरिका के पश्चिमी तटीय क्षेत्र में आए तूफ़ान से भारी तबाही।
2010 – नई दिल्ली में यमुना बैंक–आनंद विहार सेक्शन की मेट्रो रेलों का परिचालन आरंभ।
2012 – सीरिया की राजधानी दमिश्क में आत्मघाती हमले में 26 लोगों की मौत, 63 घायल हुये।

जन्म

1883 – ख़लील जिब्रान – विश्व के श्रेष्ठ चिंतक महाकवि के रूप में ख्याति प्राप्त करने वाले महान् दार्शनिक।
1910 – जी. एन. बालासुब्रमनियम, भारतीय कर्नाटक संगीतकार
1913 – एडवर्ड गिरेक – पौलैण्ड के प्रथम सचिव थे।
1918– भरत व्यास, बॉलीवुड के प्रसिद्ध गीतकार
1928 – विजय तेंदुलकर – भारतीय नाटककार और रंगमंचकर्मी।
1932 – कमलेश्वर – हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार
1940 – नरेन्द्र कोहली – प्रसिद्ध लेखक।

वायु सेना ने तेजस की पहली उड़ान की 25वीं वर्षगांठ मनाई

नई दिल्ली, 05 जनवरी।

भारतीय वायु सेना ने स्वदेशी रूप से निर्मित तेजस लाइट कांबैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) की पहली उड़ान की 25वीं वर्षगांठ मनाई।

एक पोस्ट में कहा गया, वायुसेना इस लड़ाकू विमान के निर्माण में अटूट साझेदारी को याद करती है। एडीए के नवोन्मेषी विज्ञानियों, एचएएल के कुशल इंजीनियरों, बहादुर भारतीय वायु सेना और भारतीय वायु सेना के परीक्षण पायलटों/इंजीनियरों और आत्मनिर्भरता के लिए प्रतिबद्ध सभी भारतीय वायु सेना कर्मियों को बधाई।

तेजस ने 2001 में भरी थी पहली उड़ान

तेजस की पहली उड़ान चार जनवरी 2001 को हुई थी, जब विंग कमांडर राजीव कोठियाल ने बेंगलुरु के एचएएल हवाई अड्डे से टेक्नोलाजी डेमोंस्ट्रेटर (टीडी–1) का संचालन किया था। इस उड़ान ने विमान के परीक्षण चरण की शुरुआत की, जिसके परिणामस्वरूप अंततः इसे भारतीय

वायु सेना में शामिल किया गया और तेजस एमके1ए जैसे उन्नत संस्करणों का विकास हुआ।

1983 में की गई थी स्थापनाः सरकार ने भारतीय वायु सेना के पुराने बेड़े को बदलने के लिए एक नए हल्के लड़ाकू विमान के विकास के प्रारंभिक लक्ष्य के साथ 1983 में लाइट कांबैट एयरक्राफ्ट कार्यक्रम की स्थापना की थी।

फ्लाइट में पावर बैंक से मोबाइल चार्ज करना अब बैन, डीजीसीए ने बदले नियम

नई दिल्ली, 05 जनवरी।

हवाई यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बड़ा फैसला लिया है। अब फ्लाइट के दौरान यात्री पावर बैंक का इस्तेमाल कर मोबाइल फोन या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को चार्ज नहीं कर सकेंगे।

डीजीसीए ने साफ किया है कि विमान के अंदर सीट पर लगे चार्जिंग पॉइंट से भी पावर बैंक के जरिए चार्जिंग की अनुमति नहीं होगी।

क्यों लिया गया यह फैसला?

डीजीसीए के अनुसार, पावर बैंक और अन्य रिचार्जेबल डिवाइस में इस्तेमाल होने वाली लिथियम बैटरियां आग लगने का बड़ा कारण बन सकती हैं।

दुनिया भर में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां लाइट के दौरान लिथियम बैटरियां ज़्यादा गर्म होकर आग का कारण बनी हैं।

सिर्फ हैंड बैगेज में ही रखने की अनुमति

डीजीसीए पहले ही यह स्पष्ट कर चुका है कि:

- पावर बैंक और अतिरिक्त लिथियम बैटरियां केवल हैंड बैगेज में ही ले जाने की अनुमति है
- इन्हें ओवरहेड केबिन या लगेज रैक में रखना सख्त मना है
- ओवरहेड बिन में आग लगने की स्थिति में उसे समय रहते पहचानना और बुझाना बेहद मुश्किल होता है

क्यों ज्यादा खतरनाक हैं पावर बैंक?

डीजीसीए का कहना है कि हैंड बैग के अंदर या ओवरहेड

बिन में रखी बैटरियों में धुआं या आग लगने की शुरुआत तुरंत दिखाई नहीं देती, जिससे केबिन क्रू को समय पर प्रतिक्रिया करने में देरी हो सकती है और यात्रियों की जान जोखिम में पड़ सकती है।

एयरलाइंस को दिए गए सख्त निर्देश

सभी एयरलाइंस को अपनी Safety Risk Assessment दोबारा जांचने के निर्देश

केबिन क्रू को बैटरी से जुड़ी आग पहचानने और बुझाने की विशेष ट्रेनिंग

सभी विमानों में पर्याप्त फायरफाइटिंग इक्विपमेंट और सेटी गियर अनिवार्य

यात्रियों को इन नियमों की जानकारी देने के लिए इन–फ्लाइट अनाउंसमेंट और अन्य माध्यमों से स्पष्ट सूचना

डीजीसीए ने कहा कि यह कदम यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत करने तथा फ्लाइट के दौरान आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी है।

भारत में डिजिटल प्लेफॉर्म आने के बीच 3 सालों में इतने टीवी चैनलों ने छोड़े लाइसेंस, रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 05 जनवरी।

भारत का टेलीविजन ब्रॉडकास्ट सेक्टर तेजी से बदल रहा है, पिछले तीन सालों में दर्शकों की बदलती आदतों, डिजिटल टेक्नोलॉजी के बढ़ते इस्तेमाल और विज्ञापन से होने वाली कमाई पर दबाव के चलते कथित तौर पर 50 चैनलों ने अपने लाइसेंस सरेंडर कर दिए हैं।

इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट में सूचना और प्रसारण मंत्रालय के डेटा का हवाला देते हुए बताया गया कि जिन कंपनियों ने टीवी ब्रॉडकास्ट लाइसेंस सरेंडर किए हैं उनमें जियोस्टार, जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज, ईनाडु टेलीविजन, टीवी टुडे नेटवर्क, एनडीटीवी और एबीपी नेटवर्क शामिल हैं। इसके अलावा, सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया के तौर पर काम करने वाली कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट ने चौनलों के उसी सेट को अपलिंक और डाउनलिंक करने के लिए मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद 26 डाउनलिंकिंग परमिशन सरेंडर कर दीं।

क्यों किए गए लाइसेंस सरेंडर?

भारत का पे–टीवी इकोसिस्टम लगातार दबाव में है, क्योंकि अमीर परिवार तेजी से ओटीटी प्लेटफॉर्म्स की ओर जा रहे हैं, जबकि कीमत को लेकर संवेदनशील परिवार DD Free Dish पर जा रहे हैं। क्रिसिल की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, पेड डीटीएच सब्सक्राइबर बेस वित्तीय वर्ष 19 में 72 मिलियन से घटकर वित्तीय 24 में 62 मिलियन हो गया है और इसके और गिरने का अनुमान है।

इंडस्ट्री के अधिकारियों ने कहा कि लाइसेंस सरेंडर करने के पीछे कई कारण हैं। विज्ञापन के कमजोर ट्रेंड्स ने स्थिति को और खराब कर दिया है। WPP ने अनुमान लगाया है कि 2025 में टेलीविजन विज्ञापन रेवेन्यू में

1.5 प्रतिशत की गिरावट आएगी और यह 477.4 बिलियन रुपये हो जाएगा, जबकि कुल विज्ञापन बाजार 2025 में 1.8 ट्रिलियन रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जो सालाना 9.2 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा और 2026 में बढ़कर 2 ट्रिलियन रुपये हो जाएगा।

ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, Enter10 Media ने भी एक स्ट्रेटेजिक रिव्यू के बाद कुछ लाइसेंस सरेंडर कर दिए हैं। ब्रॉडकास्टर ने कहा कि उसने बिजनेस के लक्ष्यों और रिसोर्स–प्लानिंग की दिक्कतों के कारण और चौनल लॉन्च करने की योजना को आगे न बढ़ाने का फैसला किया है। इस रिव्यू के तहत Enter10 ने अपने दंगल HD और दंगल उड़िया लाइसेंस छोड़ दिए। उद्योग निकाय ने कहा कि यह मंदी मीडिया और टेक्नोलॉजी के मेल, साथ ही दर्शकों की बदलती पसंद और उपभोग के व्यवहार से होने वाले गहरे स्ट्रक्चरल बदलावों को दिखाती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि उन्होंने रेगुलेटरी चुनौतियों को भी ब्रॉडकास्टिंग सेक्टर में तनाव बढ़ाने वाले एक मुख्य कारण के तौर पर बताया हैं।

रुडयार्ड किपलिंगः अंग्रेजी साहित्य के पहले नोबेल विजेता व जंगल बुक के लेखक की अनोखी कहानी

नई दिल्ली, 05 जनवरी।

रुडयार्ड किपलिंग को अंग्रेजी शासन के दौरान एक प्रसिद्ध लेखक और कवि के रूप में जाना जाता है। वे एक ऐसे लेखक थे जिनके बिना अंग्रेजी साहित्य का इतिहास अधूरा है। किवदंती है कि अगर इतिहास को कहानियों के रूप म पढ़ा जाए तो उसमें रुडयार्ड किपलिंग को भुलाया नहीं जा सकता है।

नाम को देख के सभी को पहला आभास होता है कि वे एक अंग्रेजी लेखक हैं। लेकिन, रुडयार्ड किपलिंग का भारत से नाता है। उनका जन्म 30 दिसंबर 1865 को मुंबई में हुआ था। उनका शुरुआती जीवन मालाबार हिल में बीताद्य उनके पिता का नाम जॉन लॉकवुड था जो आर्ट स्कूल में प्रिंसिपल होने के साथ ही मूर्तिकार भी थे।

रुडयार्ड के नाम के पीछे भी एक अनोखी कहानी है। किपलिंग के माता पिता जॉन लॉकवुड और एलिस की मुलाकात 1863 में स्टैफोर्डशायर की रुडयार्ड झील पर हुई थी। झील की सुंदरता से प्रभावित होकर उन्होंने अपने पहले बच्चे का नाम रुडयार्ड रखा। रुडयार्ड का पूरा नाम जोसेफ रुडयार्ड किपलिंग था। रुडयार्ड का निधन 18 जनवरी 1936 को हुआ था।

रुडयार्ड किपलिंग को बचपन से ही कहानियां सुनाने का शौक था। उनके इस हुनर को परिवार का साथ भी मिला। 5 वर्ष की उम्र में ही उन्हें क्रूर बोर्डिंग हाउस में पढ़ाई के लिए भेजा गया। किपलिंग ने यूनाइटेड सर्विसेज कॉलेज में पढ़ाई की, जहां उनका झुकाव साहित्य और लेखन की ओर बढ़ा। 16 साल की उम्र में भारत लौटकर उन्होंने पत्रकारिता शुरू की। उनके पास कोई फॉर्मल डिग्री नहीं थी, लेकिन लाहौर में जर्नलिज्म से करियर को स्टार्ट किया।

अंग्रेजी साहित्य में पहले नोबेल जीतने वाले व्यक्ति बने कहानियों में दिलचस्पी रखने वाले रुडयार्ड किपलिंग ने द जंगल बुक और द सेकंड जंगल जैसी प्रसिद्ध बुक लिखीं। उन्होंने भारतीय जीवन और संस्ति को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया। उनके साहित्यिक योगदान के लिए उन्हें 1907 में अंग्रेजी साहित्य के पहले नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

चावल उत्पादन में भारत बना नंबर–1, चीन को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, 05 जनवरी।

भारत ने चावल उत्पादन के क्षेत्र में चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में पहला स्थान हासिल कर लिया है। यह जानकारी केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने दी।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत का चावल उत्पादन 150.18 मिलियन टन तक पहुंच गया है, जबकि चीन का उत्पादन 145.28 मिलियन टन रहा। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि उच्च पैदावार वाले बीजों के विकास और कृषि अनुसंधान में निरंतर प्रगति का परिणाम है। चौहान ने कहा कि भारत अब वैश्विक बाजार में एक प्रमुख चावल निर्यातक देश के रूप में भी उभर चुका है।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा विकसित 25 फसलों की 184 उन्नत किस्मों को लॉन्च किया। इन 184 किस्मों में 122 अनाज, 6 दालें, 13 तिलहन, 11 चारा फसलें, 6 गन्ना, 24 कपास और जूट एवं तंबाकू की एक–एक किस्म शामिल हैं।

कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन नई किस्मों को किसानों तक शीघ्र पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि उन्नत किस्मों से किसानों को अधिक पैदावार और बेहतर गुणवत्ता वाली फसल प्राप्त होगी, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। चौहान ने कृषि वैज्ञानिकों से दालों

और तिलहनों के उत्पादन को बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया, ताकि देश को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार के सत्ता में आने के बाद पिछले 11 वर्षों में 3,236 उच्च उपज वाली किस्मों को मंजूरी दी गई है, जबकि 1969 से 2014 के बीच केवल 3,969 किस्मों को ही स्वीकृति मिली थी। नई जारी की गई किस्मों को जलवायु परिवर्तन, मिट्टी की लवणता, सूखा और अन्य जैविक एवं अजैविक चुनौतियों से निपटने के साथ–साथ प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

'एक्स' हटाएगा गैरकानूनी कंटेंट, हमेशा के लिए प्रतिबंधित होंगे ऐसा कंटेंट अपलोड करने वाले यूजर्स

नई दिल्ली, 05 जनवरी।

इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' गैरकानूनी कंटेंट को हटाकर उनके विरुद्ध कार्रवाई करेगा। साथ ही ऐसा कंटेंट अपलोड करने वाले यूजर्स के अकाउंट को हमेशा के लिए बंद करेगा और जरूरत पड़ने पर स्थानीय सरकारों के साथ काम करेगा।

एलन मस्क के स्वामित्व वाले एक्स के ग्लोबल गवर्नमेंट अफेयर्स अकाउंट से यह बयान रविवार को जारी किया गया। इससे पहले मस्क ने एक्स पर अनुचित तस्वीरों को लेकर एक पोस्ट के जवाब में कहा, जो कोई भी गैरकानूनी कंटेंट बनाने के लिए ग्रोक का इस्तेमाल करेगा, उसे वही नतीजे भुगतने होंगे जो गैरकानूनी कंटेंट अपलोड करने वालों को भुगतने पड़ते हैं।

एक्स ने दोहराया मस्क का रुख

एक्स के ग्लोबल गवर्नमेंट अफेयर्स ने गैरकानूनी कंटेंट पर मस्क के रुख को दोहराया और कहा, हम एक्स पर बाल यौन शोषण सामग्री समेत गैरकानूनी कंटेंट के विरुद्ध इसे हटाकर, अकाउंट्स को हमेशा के लिए बंद करके और जरूरत पड़ने पर स्थानीय सरकारों व कानूनी एजेंसियों के साथ काम करके कार्रवाई करते हैं। ग्लोबल गवर्नमेंट अफेयर्स हैंडल ने एक्स्स के नियमों का एक लिंक भी शेयर किया, जिसमें आपसी सहमति से बनाए गए और शेयर किए गए एडल्ट न्यूडिटी या सेक्सुअल बिहेवियर को शेयर करने की अनुमति दी गई है, बशर्ते उसे उचित तरीके से लेबल किया गया हो और प्रमुखता से प्रदर्शित नहीं किया गया हो।

मंत्रालय ने तलब की विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट

गौरतलब है कि भारत सरकार ने पाया है कि एक्स पर अश्लील, आपत्तिजनक और अन्य गैरकानूनी कंटेंट अपलोड किए जा रहे हैं जो स्थानीय कानूनों का उल्लंघन करते हैं। मस्क और ग्लोबल गवर्नमेंट अफेयर्स का यह बयान इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के दो जनवरी को जारी किए गए निर्देश के बाद आया है, जिसमें सभी अश्लील,

आपत्तिजनक और गैरकानूनी कंटेंट को, खासकर एआई एप ग्रोक द्वारा बनाए गए कंटेंट को तुरंत हटाने या कानून के तहत कार्रवाई का सामना करने के लिए कहा गया था। मंत्रालय ने 'एक्स' से 72 घंटों में विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट भी तलब की थी।

मस्क ने वेनेजुएला के लिए मुत स्टारलिंक सेवाओं की घोषणा की

वहीं, एलन मस्क ने रविवार को घोषणा की कि उनकी सेटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक वेनेजुएला में चल रहे संकट के बीच बिना रुकावट कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए वहां के लोगों को एक महीने के लिए मुत ब्रॉडबैंड एक्सेस प्रदान करेगी।

मस्क ने 'एक्स' पर यह घोषणा करते हुए कहा कि यह कदम वेनेजुएला के लोगों के समर्थन में उठाया गया है। स्टारलिंक नेटवर्क से राजनीतिक और सुरक्षा की अनिश्चितता के दौरान वेनेजुएला में इंटरनेट एक्सेस बनाए रखने में मदद मिलने की उम्मीद है। यह घोषणा अमेरिकी सैन्य अभियान में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरतारी का मस्क की ओर से स्वागत करने के तुरंत बाद की गई है। मस्क ने कहा था कि मादुरो के सत्ता में नहीं रहने से वेनेजुएला समृद्धि की ओर बढ़ सकता है। उनकी यह प्रतिक्रिया आश्चर्यचकित करने वाली नहीं थी, क्योंकि वह लंबे समय से मादुरो सरकार के मुखर आलोचक रहे हैं।

अण्डमान निकोबार राज्य कर्मचारी महासंघ ने द्वीपों के कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा

श्री विजय पुरम, 5 जनवरी।

भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध ''अण्डमान निकोबार राज्य कर्मचारी महासंघ'' को रविवार को लोक निवास में माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ और अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत किया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के नियमित कर्मचारियों के विभिन्न मुद्दों को प्रस्तुत किया, जिसमें मुख्य रूप से पूरे केंद्र शासित प्रदेश को '''हार्ड एरिया' (कठिन क्षेत्र)'' घोषित करना शामिल है ताकि सभी कर्मचारियों को विशेष प्रतिपूरक भत्ते के साथ 'हार्ड एरिया भत्ता' मिल सके। इसके साथ ही, लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश की तर्ज़ पर ग्रुप 'बी' पदों के लिए आयु सीमा बढ़ाकर 40 वर्ष करने, राजभाषा पदों के सृजन, सभी 'डीम्ड एबोलिश्ड' (समाप्त माने गए) पदों के लिए एकमुश्त मंजूरी, सूचना प्रौद्योगिकी निदेशालय के गठन के साथ पदों के पुनर्गठन ताकि आईटी कैडर के सभी कर्मचारियों को पदोन्नति के अवसर मिल सकें, एसी कैडर के कर्मचारियों के वेतनमान में सुधार और विशेष रूप से तकनीकी विभागों में विभागाध्यक्ष के पद के लिए सभी पात्र अधिकारियों की पदोन्नति जैसे मुद्दे रखे गए।

दैनिक वेतन भोगी मजदूरों (डीआरएम) के आमेलन (स्थायीकरण) के लिए एक अलग प्रस्ताव विस्तार से प्रस्तुत किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री ने इसे धैर्यपूर्वक सुना, प्रस्तुति पर विभिन्न प्रश्न पूछे और श्रमिक वर्ग की बेहतरी के लिए मार्ग प्रशस्त करने का आश्वासन दिया।

कर्मचारियों के मुद्दों के अलावा, इन द्वीपों के विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई और द्वीपवासियों के बीच खुशहाली लाने का आश्वासन दिया गया।

संघ से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रतिनिधिमंडल को यह भी सूचित किया गया कि प्रत्येक तिमाही में एक दौरा होगा और अदालती मामले दायर करने के बजाय बातचीत और पत्राचार के माध्यम से सभी मुद्दों को हल किया जा सकता है। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अण्डमान निकोबार राज्य कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष श्री जयदीप कुमार डे, महासचिव श्री एस. बीजू पिल्लई और वित्त सचिव श्री ए. विजय नायर ने किया।

विजय हजारे ट्रॉफी 2025–26: श्रेयस अय्यर बने मुंबई के नए कप्तान, शार्दुल ठाकुर चोट के कारण बाहर

नई दिल्ली, 05 जनवरी।

श्रेयस अय्यर को विजय हजारे ट्रॉफी 2025–26 के लिए मुंबई की टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। अय्यर ने शार्दुल ठाकुर की जगह ली है, जो चोट के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी 2025–26 में अब तक मुंबई की कमान ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर के पास थी, लेकिन काफ इंजरी के चलते वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

एसोसिएशन ने सोमवार को एक बयान में कहा, "एमसीए को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि श्रेयस अय्यर को विजय हजारे ट्रॉफी के शेष लीग मैचों के लिए मुंबई सीनियर पुरुष टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है।"

अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर श्रेयस अय्यर को कैच लेने के दौरान स्प्लीन इंजरी हुई थी, जिसके बाद से वह क्रिकेट मैदान से दूर हैं। अय्यर को न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने जा रही वनडे सीरीज में इस शर्त पर शामिल किया गया है कि वे जल्द फिटनेस हासिल कर लेंगे। वनडे टीम की घोषणा करते हुई बीसीसीआई ने कहा था कि अय्यर की फिटनेस का आकलन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में किया जाएगा। अगर उन्हें फिट घोषित किया जाता है तो वह वनडे टीम में शामिल होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनके फिट होने की संभावना है।अगर अय्यर इंटरनेशनल मुकाबलों में वापसी के लिए हरी झंडी मिलती है, तो एमसीए को विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबलों के लिए किसी दूसरे खिलाड़ी को कप्तान को नियुक्त करना होगा।एमसीए सचिव उन्मेश खानविलकर ने कहा, "जब स्थिति स्पष्ट हो जाएगी तो हम फैसला लेंगे। श्रेयस बाकी दो लीग मैचों में टीम की कप्तानी करेंगे।"5 में से 4 मुकाबले जीतकर मुंबई की टीम ग्रुप सी की प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। मुंबई ने 6 जनवरी को हिमाचल प्रदेश, जबकि 8 जनवरी को पंजाब के विरुद्ध मुकाबले खेलने हैं। यह दोनों मुकाबले जयपुर में आयोजित होंगे।